DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY

SURVEY

2020-21

Activity/ Event	Purpose	Date and place	Duration	Details of Guests (If Any)	Number of Participant and Beneficiaries	Outcome	Remark
A survey on Change of Attitude TowardsCovid-19	Know the change of attitude of students towards covid -19	March 2021 B C S Govt.PG College Dhamtari	Approx. 15 hours of month of March	N A	150	The attitude of participants towards covid -19 was found to be changed	Co-curricular Activity

प्रति,

दिनांक 19 / 03 / 2021

प्राचर्य
बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
धमतरी

विषय :– **महाविद्यालयीन स्टॉफ से सर्वेक्षण हेतु आवदेन।**

महोदय,

****

विषयांतर्गत निवेदन है कि मनोविज्ञान विभाग व्दारा "Attitude Change Toward Covid-19" विषय पर सर्वेक्षण कराया जाना प्रस्तावित है। कृपया महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं छात्र–छात्राओं से आंकड़े संग्रहण की अनुमति प्रदान करें।

सधन्यवाद।

दिनांक – 19.03.2021

mited
19/3/2021

(डॉ.सरला द्विवेदी)
विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान
बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला–धमतरी (छ.ग.)

।। सर्वेक्षण रिपोर्ट ।।

सत्र 2020-21 में मनोविज्ञान विज्ञान विभाग द्वारा "Attitude Change towards COVID-19" विषय पर सर्वेक्षण कार्य कराया गया। वैश्विक महामारियाँ अपने समय और भविष्य को प्रभावित करती आई है। कोविड-19 से पहले भी प्लेग, स्वाइन प्लू जैसी वैश्विक महामारियों ने मानव जाति को चुनौती दी है। COVID-19 Pandemic ने ना सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा मनोवैज्ञानिक स्थितियों को प्रभावित किया है। कोविड-19 के प्रकोप के दौरान तनाव, चिंता, अवसाद, निराशा, अनिश्चितता, भय सहित अनेक मानसिक विकारों में वृद्धि हुई।

भारत के संदर्भ में दिनांक 22.03.2020 को संपूर्ण देश में LOCKDOWN हुआ, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक घटना थी। जनमानस में उत्पन्न भय, चिन्ता,आशंका तथा अवसाद जैसे नकारात्मक भावों एवं संवेगों ने अनेक दुर्घटनाओं को जन्म दिया। मानसिक एवं भावात्मक रूप से लोगों ने स्वयं को असहाय एवं पीड़ित के रूप में प्रत्यक्षीकृत किया साथ ही स्वयं तथा परिजनों के प्रति उत्तरदायित्वों की चेतना में वृद्धि हुई। लोगों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता समाजिक दूरी का पालन करना, मास्क पहनना आदि स्वेच्छा से किया।

समस्त विद्यालय, महाविद्यालय, कार्यालय, बाजार आदि का अचानक बंद हो जाना अनेक आवागमन से समस्याओं का सामने आ जाना व इन सबकी मानसिक तैयारी न होना ने कोविड-19 के प्रति आंतकित करने वाली अभिवृत्ति को उत्पन्न किया।

01. COVID-19 के प्रति संज्ञानात्मक पक्ष :–

COVID-19 से संबंधित जानकारियों जैसे दिनों तक Quarantine होना रहना शारीरिक पीड़ा, COVID-19 तथा COVID Test के प्रति अज्ञात भय लगातार बढ़ती मृत्युदर मरीजों की संख्या, लॉकडाउन होना, आर्थिक हानि, नौकरियों का जाना, परिजनों का किसी अन्य स्थान पर फस जाना निम्न आय वर्ग के व्यक्तियों की अति आर्थिक क्षति एवं बेघर होना, मीडिया द्वारा दी जा रही जानकारियों से जनसामान्य के संज्ञान का नकारात्मक ढंग से निर्मित किया।

02. COVID-19 के प्रति भावात्मक पक्ष :–

नकारात्मक जानकारियों एवं सूचनाओं की अधिकता ने नकारात्मक संज्ञान निर्मित किया एवं संज्ञान द्वारा भावात्मक पक्ष जैसे अवसाद, विषाद, तनाव अकेले होने का भाव अक्षम तथा असहाय हानि की भावना, मृत्यु भय (स्वयं तथा परिजनों का) आदि नकारात्मक भाव उत्पन्न हुए।

03. COVID-19 के प्रति व्यवहारात्मक पक्ष :–

भावों द्वारा ही व्यवहार निर्देशित होते है। अतः जब लोगों में निराशा, हताशा एवं अवसाद के भाव उत्पन्न हुए तब उनके द्वारा सकारात्मक व्यवहार करना एवं सामान्य जीवन शैली में रहना मुश्किल हुआ। इस अवधि में मानसिक रोगियों की संख्या में अत्याधिक वृद्धि हुई।

प्रस्तुत सर्वेक्षण में 150 छात्र-छात्राओं को सम्मिलित किया गया। ये समस्त विद्यार्थी ये समस्त विद्यार्थी बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी से चयनित किए गए इनका आयु 18-25 वर्ष था प्रतिदर्श में लड़कियाँ और लड़के दोनों को सम्मिलित किया गया। ये सभी विद्यार्थी महाविद्यालय के कला संकाय, विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय से चयनित किए गए। प्रतिदर्श चयन करने की विधि **Random Selection** थी।

प्रस्तुत माध्यम में स्वनिर्मित अनुसूची का उपयोग किया गया अनुसूची में (11) प्रश्नों को दो अवस्थाओं में पूछा गया

01. पूर्व अवस्था

02. वर्तमान अवस्था

S. No.	Before Condition (March-April 2020)				Current Condition (March 2021)			
	Question	Yes (%)	No (%)	Other (%)	Question	Yes (%)	No (%)	Other (%)
1	क्या आप पहले कोविड 19 के संकमण से भयभीत थे ?	47.8	45.2	6.9	क्या आप अब कोविड 19 के संकमण से भयभीत है ?	14.7	78.2	6.9
2	क्या आप पहले सार्वजनकि स्थानों पर नियमित रूप से मास्क पहनते थे ?	13.04	19.1	7.8	क्या आप अब सार्वजनिक स्थान पर नियमित रूप से मास्क पहनते है ?	72.1	22.6	5.2
3	क्या आप पहले सामाजिक दूरी का पूर्णतः पालन करते थे ?	72.1	20	1.8	क्या आप अब सामाजिक दूरी का पूर्णतः पालन करते है ?	39.1	46.9	13.9
4	क्या आप पहले नियमित रूप से हांथ धोते थे/सेनेटाईजर करते थे ?	81.7	13.9	4.3	क्या आप अब नियमित रूप से हांथ धोते है ? सेनेटाईज करते है ?	67.8	14.7	17.3
5	क्या पहले आप दूसरों से घंटो में आना जाना करते थे ?	24.3	56.5	19.1	कया आप अब दूसरों से घंटो में आना जाना करते है ?	54.7	31.3	18.9
6	क्या आपके घर में कोई सदस्य कोरोना पाजीटिव पाया गया था?	6.9	93.4	-	-	-	-	-

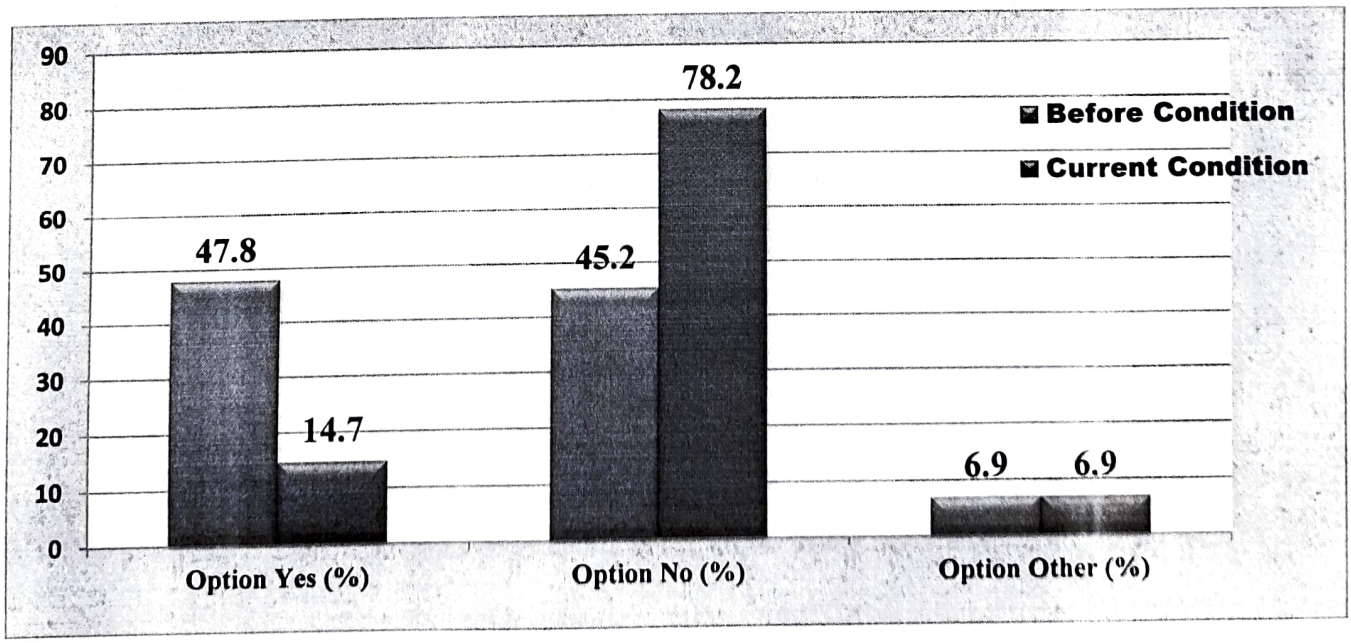

प्रश्न 1. **Before** - क्या आप पहले कोविड 19 से भयभीत थे ?

Current - क्या आप पहले कोविड 19 से भयभीत है ?

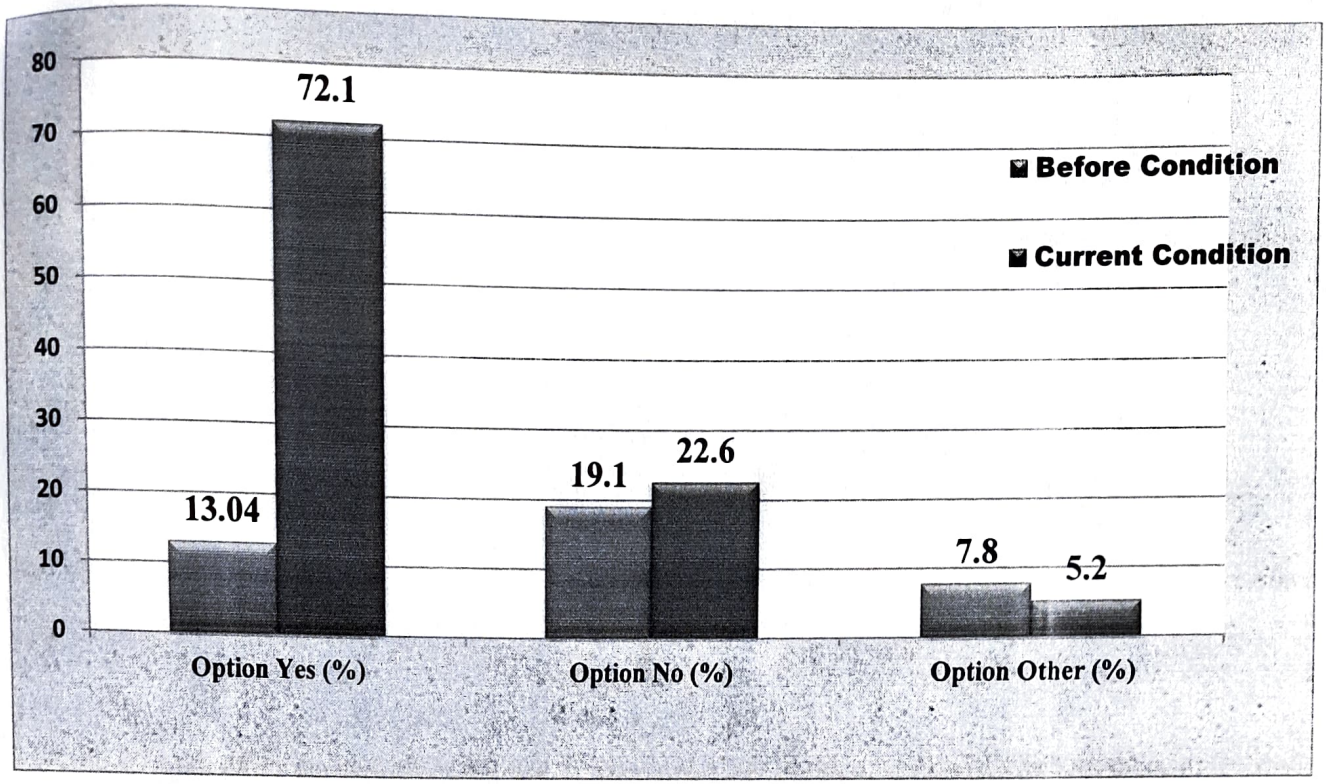

प्रश्न 2. Before - क्या आप पहले नियमित रूप से मास्क पहनते थे ?

Current - क्या आप नियमित रूप से मास्क पहनते है ?

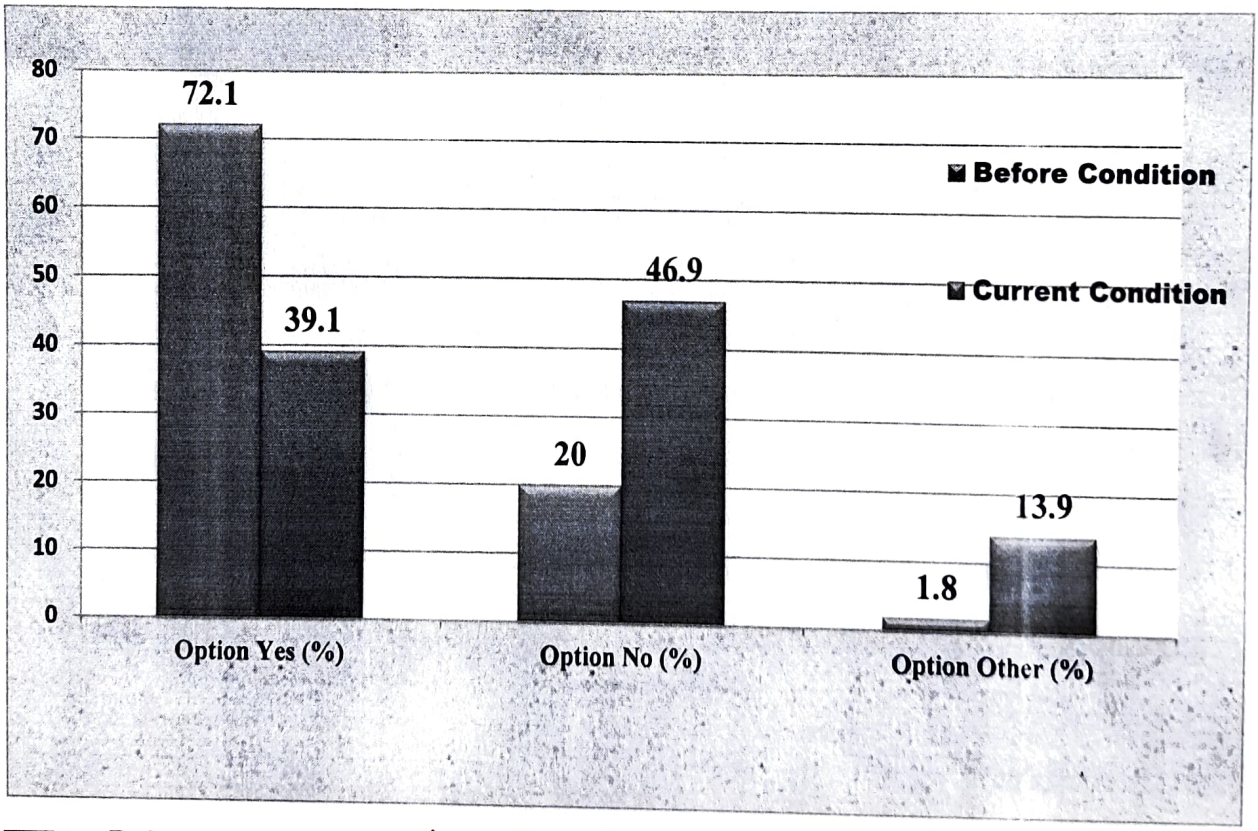

प्रश्न 3. Before - क्या आप पहले सामाजिक दूरी का पूर्णतः पालन करते थे ?

Current - क्या अब आप सामाजिक दूरी का पूर्णतः पालन करते है ?

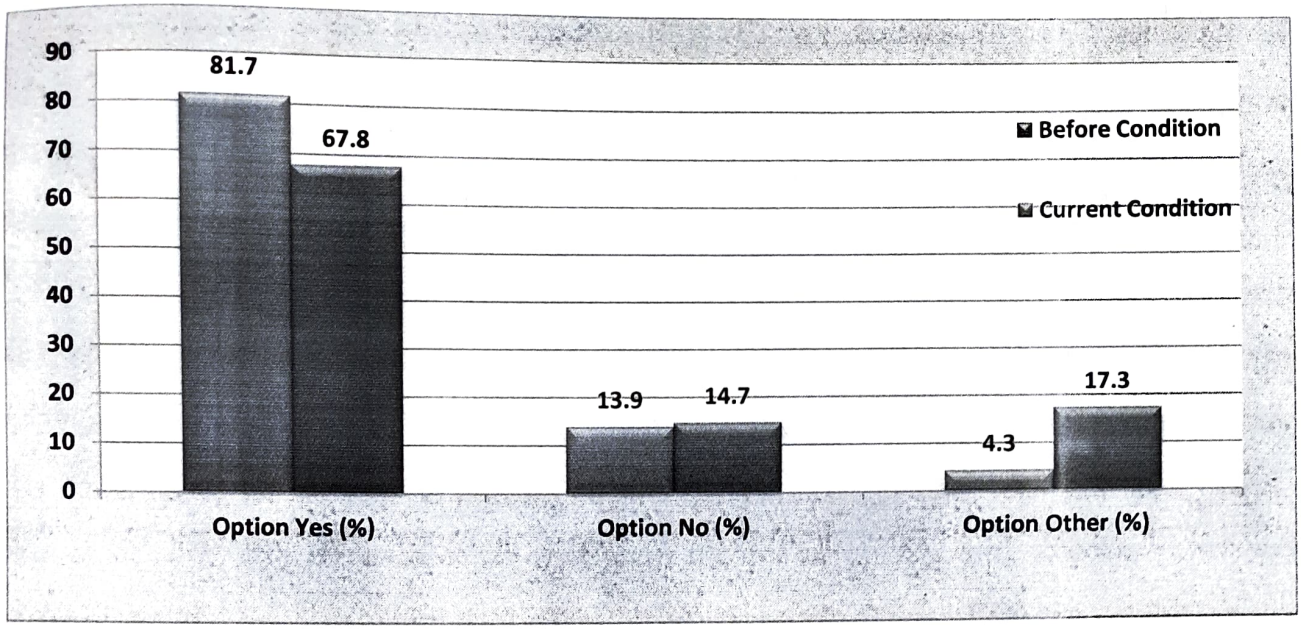

प्रश्न 4. Before - क्या आप पहले नियमित रूप से हांथ धोते थे ?

Current - क्या आप नियमित रूप से हांथ धोते है ?

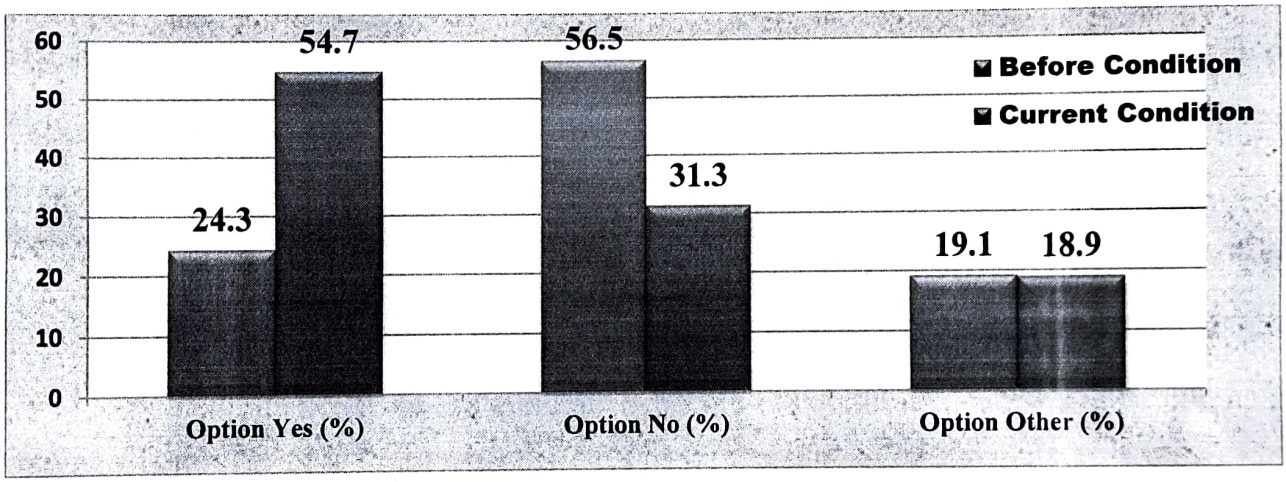

प्रश्न 5. Before - क्या आप पहले दूसरों के घरों में आना जाना करते थे ?

Current - क्या अब आप दूसरे के घरों में आना जाना करते है ?

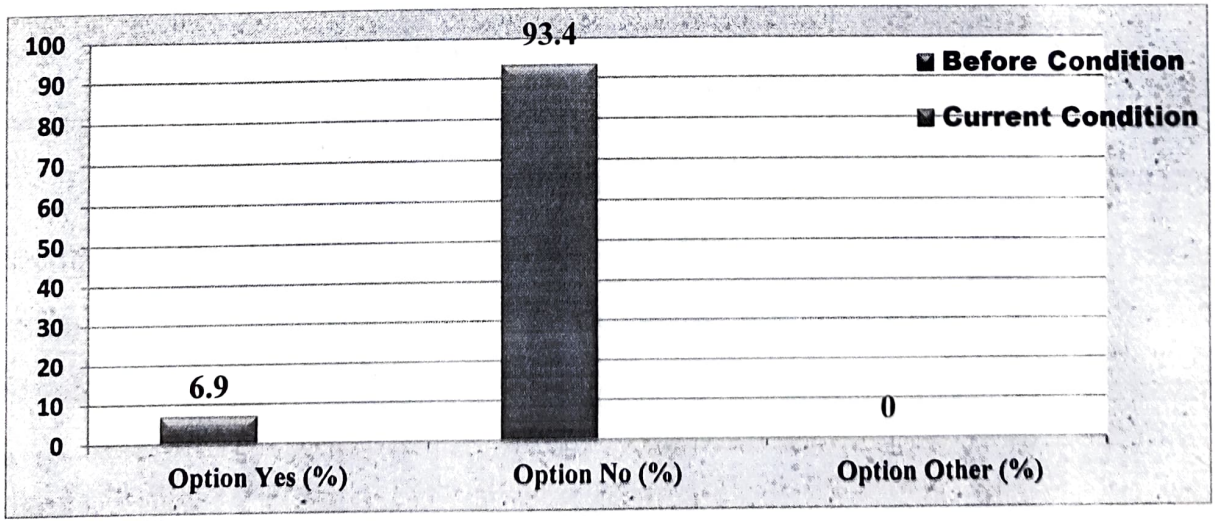

प्रश्न 6. क्या आपके परिवार के कोई सदस्य कोरोना पॉजिटीव पाया गया है ?

प्रस्तुत अध्ययन में छात्र-छात्राओं की कोविड 19 के प्रति अभिवृत्ति परिवर्तन पर सर्वेक्षण कार्य किया गया है। परिणाम तालिका एवं ग्राफ्स से स्पष्ट है कि छात्र-छात्राओं की कोविड 19 के प्रति अभिवृत्ति में परिवर्तन हुआ है उनमें भय की तात्रा पहले से कम हुई अपनी सुरक्षा के प्रति चैतन्यता में भी सामान्य अंतर दिखाई दिया है। सामाजिक दूरी का पालन पूर्व अवस्था की तुलना में अत्याधिक कम किया जाने लगा है।

आरंभ में कोविड 19 के कारण एक ओर जहां नकारात्मक अभिवृत्ति निर्मित हुई वहीं दूसरी और भौगोलिक दृष्टिकोण से सकारात्क परिवर्तन दिखाई दी लोगों में भय चिंता आशंका की मात्रा अत्यंत दिखाई दी। मनोवैज्ञानिकों ने लोगों को आतंकित पाया किंतु धीरे-धीरे इन सभी नकारात्मक पहुलूओं में कमी आने लगी। इस प्रकार नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का ग्राफ Curvilinear हो गया। जहां पहले बच्चों, बुजुर्गो, काम-काजी लोगों आदि को घर में रहकर कार्य करना पड़ रहा था एवं कुछ कार्य प्रतिबंधित हो गए वहां Science एवं Technology ने अनेक शैक्षणिक, शैक्षणेत्तर कार्यालयीन कार्यो को पुनः आरंभ कराया। Google Meet, Zoom, Webex आदि पर Online अध्यापन कार्य Webinars का आयोजन आरंभ हुआ। विश्वविद्यालयों, चिकित्सा एवं अन्य प्रशासनिक कार्यो के साथ ही Private Sectors के क्षेत्र में भी Online Meeting एवं कार्य व्दारा रूके हुए जीवन को पुनः गति देने का प्रयास किया गया। इन प्रयासों ने सभी को Techno friendly बनाया। जीवन की प्रत्येक परिस्थति में समायोजन एवं नयी राह एवं दिशा खोजने के लिए प्रेरित किया।

Covid-19 के Positive लोगों को Home Isolation में रहने की अनुमति ने चिकित्सा विभाग को राहत देने का कार्य किया साथ ही रोगियों को भी Hospital को Quarantine Centres में रहने से भययुक्त किया। ठीक होते मरीजों की संख्या ने प्रसिद्ध डॉक्टर्स के वीडियोज सावधानियों के सही तरीकों आदि ने जन साधारण की अभिवृत्ति को परिवर्तित करने में सहयोग किया। Psychological Forum व्दारा Counsellors ने Tele Counselling के माध्यम से अवसाद से घिरे अनेक Health works doctors, nurses एवं अन्य वारियर्स, आम जनता को नकारात्मक अभिवृत्ति से बाहर लाने के लिए अनेक प्रयास किए। लॉकडाउन के समय को किस प्रकार उपयोगी बनाया जाए एवं पुनः जीवन में रूचि को किस प्रकार उत्पन्न किया जाए से संबंधित अनेक प्रयासों के सार्थक परिणाम दिखाई दिए।

इन सभी परिवर्तनों के साथ जनमानस की अभिवृत्ति में भी धीरे-धीरे परिवर्तन दिखाई दिया। सर्वेक्षण के परिणाम से स्पष्ट है कि कोविड 19 के प्रति लोगों की अभिवृत्ति में परिवर्तन आया है। यह परिवर्तन भय एवं आतंक की मात्रा में कमी को इंगित करता है एवं लापरवाही में वृद्धि को दर्शाता है जिसका दुष्परिणाम पुनः दिखायी देने लगा है एवं कुछ ही दिनों में पुनः कोविड 19 से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या एवं मृत्यु दर में वृद्धि हुई है।

(डॉ. सरला द्विवेदी)
विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान
बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,धमतरी
जिला-धमतरी (छ.ग)